शब्द रंजन

विचार एवं जन संवाद का पाक्षिक

वर्ष 1 | अंक 20 | उदयपुर मंगलवार 01 नवंबर 2016 | पेज 8 | मूल्य 5 रू.

अनन्त किरणों का प्रकाश लिए दीपक

- डॉ. महेन्द्र भानावत -

दीपावली का मूल भाव अन्धकार में प्रकाश की परिव्याप्ति है। प्रकाश मंगल का, शुभ का, लाभ का, उल्लास का और चैतन्य का प्रतीक है। सबसे बड़ा अंधकार अज्ञान का, असत का, मृत्यु का है। ज्ञान, सत और अमरता इनका प्रकाश है। इस दिन रावण रूपी असत पर सत रूपी राम पुरूषोत्तम बन अयोध्या लौटे तब वहां की जनता ने असंख्य दीपकों से उनका स्वागत किया। उनकी आरती उतारी और अपना उल्लास व्यक्त किया। भगवान महावीर को इसी दिन निर्वाण हुआ और वे परमपद तीर्थंकर को प्राप्त हुए। अपनी साधना, तपस्या और ज्ञानाराधना से उन्होंने अपने तमस के कलुष को धोकर धवल उज्ज्वल रूप चेतन तत्व को प्रकाशित एवं आलोकित किया।

हमने दीप जलाकर उनका अनुसरण किया ताकि हम भी उनके कर्म-सान्निध्य तथा विचार-सान्निध्य को अपने जीवन का अंग बनाकर आलोक का वरण कर सकें इसलिए घर बाहर चौक मेड़ी चबूतरा सबको दीपक से सजाया। ये दीपक तब घी से प्रज्वलित होते थे। धीरे-धीरे घी की जगह तेल पूरा जाने लगा और अब तेल की बजाय मोमबत्तियों ने ले ली है। जहां बिजली है वहां उसी का प्रकाश विभिन्न रूपों, रंगों तथा छवियों में द्युति फैलाता मिलता है। अब घरों की, बाजारों की रौनक दीपक नहीं, बिजली का प्रकाश हो गया है। इस बीच पटाखा संस्कृति का जो जाल फैला उसने तो कमाल ही कर दिया।

आजादी के बाद खासतौर से रोटी, कपड़ा और मकान इन तीनों में, जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं में, बदलाव आता दिखाई दिया। गेहूं खाने का रिवाज बड़ों में था बाकी सब मक्की जौ ज्वार खाते थे। अब जौ ज्वार मनुष्यों का भोजन नहीं रहा। दालों की जगह सब्जी ने ले ली। कपड़ों में तो गजब का बदलावा आया। मकान भी वे नहीं रहे। पहले सबके सब कच्चे मकान हुआ करते थे। दीवाली पर उनकी लींपाई होती और फिर आंगन को भांति-भांति के मांडणों से मुलकाया जाता। खानों से पीली लाई जाती। उसमें गोबर मिलाकर आंगन लींपा जाता। मरड़े से दीवालें लींपी जाती। इससे पूरा मकान सुवासित हो उठता। आंगन पर हड़मची-गेरु से कोर किनारी निकाली जाती और फिर सफेद खड़ी से जो मांडणें मांडे जाते उससे मकान की सुन्दरता में चार चांद लग जाते।

दीपावली लक्ष्मी का ही पूजन नहीं, सरस्वती की आराधना का पर्व भी है। इस दिन लक्ष्मी के रूप में पैसे कौड़ी तथा गहनेगांठे तो पूजे ही जाते हैं किन्तु सरस्वती स्वरूप कागज कलम भी पूजी जाती है। नई बही प्रारंभ कर नया हिसाब शुरू किया जाता है। वंशावली बांचनेवाले बहीभाट बड़वाजी अपनी भारी भरकम एक-एक मन के वजन की बहियां तक पूजते हैं किन्तु अब लक्ष्मी का स्वरूप भी बदल गया है। व्हाईट मनी की बजाय अब ब्लेक मनी का बोलबाला बढ़ गया है और पोथीवाचक भी अब अपनी उन परम्पराओं से बंधे रहना नहीं चाहते लेकिन तब भी प्रतीक रूप में चांदी के सिक्के में ढली लखमी-सरसती सर्वत्र पूज्य भाव लिये है।

हमारे देश का राष्ट्रीय धन गोबर ही है जो कृषि का मूल आधार है। यही कारण है कि कृषि के मुख्य उपजीव्य गाय और बैलों की पूजा की जाती है। उनके सींग रंगे जाते हैं। मेंहदी कुंकुम से उन्हें सिणगारा जाता है। इनकी दौड़ आयोजित की जाती है। इनके आधार पर आनेवाले वर्ष के शुभाशुभ शकुन लिये जाते हैं। इन्हीं के गोबर से गोरधन बनाकर घर-घर उनकी पूजा की जाती है। गोरधन पूजा का यह एक विशेष अनुष्ठान ही है जब गोरधन के बहाने गोबर का महत्व प्रतिपादित किया जाता है। नई फसल के रूप में गन्ने की पूजा कर ही गन्ने का विविध उपयोग प्रारंभ किया जाता है लेकिन अब हर घर में गाय नहीं है। कृषि नहीं होने से बैल भी नहीं मिलेगा तो गोबर और उसकी गोरधन पूजा की पवित्र भावना का अभाव ही मिलेगा। गांवों में अलबत्ता घर-घर गोरधन पूजने की परिपाटी मिलेगी। पहले गोधन बड़ा धन माना जाता था। लाख-लाख गायें तो दान ही में दी जाती थी। गुजरात का गोधरा तो गायों की ही धरती रहा इसीलिए उसका यह नाम ही चल पड़ा। अब गाय का वह मातृभाव उस तरह की श्रद्धाभिव्यक्ति लिए नहीं रहा तब दीवाली भी इनके बिना सूनी ही लगती है।

माटी का दीपक अपनी मिट्टी से हमारी ममता को जोड़ता है। रूई हमारा तन ढकती है और उसका रेशा-रेशा हमारी शिराओं के रक्त प्रवाह को पावन करता है। तेल पुरूषार्थ, शक्ति और शौर्य का तेज देता है। संघर्षों से जूझने और आंधी तूफान से मुकाबला करने की ताकत देता है। स्नेह एवं सहकार की सीख देता है। अनवरत अपने लक्ष्य के प्रति चेतनवान बने रहने की मधुर मुस्कान कौर मिठास की साक्षी देता है और जब गृह स्वामिनी इनका थाल सजाकर घर को, बाहर को रोशन करती है तब साक्षात् लक्ष्मी का आह्वान हुआ लगता है तब कौन नासमझी करेगा ऐसे दीपक से वंचित रहने की! मन ठीक ही कहता है-

नन्हा सा दीपक अनन्त किरणों का सूरज है मेरा।
गहन तिमिर में चौराहे पर घर-बाहर डाले डेरा॥

स्मृतियों के शिखर (19) : डॉ. महेन्द्र भानावत

खिलाड़ी से संत बने जैन दिवाकर चौथमलजी महाराज

जैन दिवाकर मुनि श्री चौथमलजी महाराज विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। सोलह वर्ष की उम्र में विवाहित होकर दो वर्ष बाद ही वे साधुमार्गी स्थानकवासी जैन परंपरा में दीक्षित हो गये। अपने पचपन वर्षीय साधु जीवन में उन्होंने जन-जन में जैनत्व का प्रचार-प्रसार किया फलस्वरूप जैनियों में वे 'जैन दिवाकर' के रूप में प्रतिष्ठित हुए, वहीं जन-जन में 'ज्योतिपुंज' के रूप में उनकी आभा अलंकृत हुई।

17 नवंबर 2012 को घोसुंडा यात्रा के दौरान वहां के कलंगी अखाड़े के उस्ताद उस्मान बेग ने मुझे बताया कि जैन दिवाकरजी ने दीक्षा पूर्व यहां रह उनके पिता उस्ताद खाजू बेग से ख्यालों की कई रंगतें सीखी थीं। यहीं मंडी के चौक में एकबार राजा भरथरी का ख्याल हुआ जिसमें चौथमलजी ने राजा भरथरी का अभिनय किया था। पिंगला जिसे बनना था वह व्यक्ति बड़ी देर होने पर भी नहीं आ सका। दर्शकों से लटाटूट मंडी के चौक में इतनी भीड़ थी कि पांव देने की जगह नहीं बची। पिंगला को नहीं पाकर सबके होश उड़े जा रहे थे। कहते हैं अंत में चौथमलजी ने अपनी पत्नी मानकुंवरबाई को इसके लिए तैयार किया। दोनों का अभिनय इतना असरकारी रहा कि आज तक उसकी सुवास लोगों के मन में है। अकबर बेग ने बताया कि उनके पिता ने इस घटना का उनके सामने कई बार जिक्र किया। मैं खाजू बेग से भी मिला जब मैंने तुर्राकलंगी ख्यालों पर एक पुस्तक लिखी जो सन् 1968 में छपी। उनका निधन 5 मई 1985 को 80 वर्ष की उम्र में हुआ।

ख्याल भरथरी का प्रभाव जैन दिवाकरजी और उनकी पत्नी पर ऐसा पड़ा कि अंत में दोनों को वैराग्य हो गया और वे साधु जीवन में दीक्षित हो गए। अकबर बेग ने मुझे वह स्थान भी दिखाया जहां दीक्षा के बाद जैन दिवाकरजी ने चातुर्मास किया था। वह स्थल अब भी 'नाइयों की मेड़ी' नाम से सुज्ञात है। दीक्षा के बाद दिवाकरजी ने ख्यालों की ही रंगत शैली में कई चरित्रों की रचना की जो उनके भक्तों में बड़ी लोकप्रिय हुई। ये रंग-शैलियां उन दिनों प्रत्येक के कंठ पर शोभित थीं। उन्होंने ही नहीं, अन्य कई साहित्यकारों ने भी उस समय के प्रचलित लावणी जैसे अत्यंत लोकप्रिय छंद को अपनाया। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की लिखी 'भारत भारती' को मिली सर्वाधिक प्रसिद्धि का भी यही कारण रहा।

जन-जन के दिवाकर के रूप में ऐसा जैन दिवाकर कोई अन्य मुनि नहीं हुआ जिसने अपने व्यक्तित्व, वैराग्य और वाणी के प्रभाव से राजा से लेकर रंक को, सम्पन्न से लेकर विपन्न को, पावन से लेकर पतित को तथा दबंग से लेकर दलित को प्रतिबोधित नहीं किया हो। उन्होंने अन्त्यजों का उद्धार किया और गरीबी-रेखा से नीचे रहने वालों को गले लगाया।

मुनि चौथमलजी सभी वर्गों और सभी धर्मों को समभाव से आदर देते थे। इसलिए उनके व्याख्यान में सभी धर्म, सम्प्रदाय के लोग आते थे और उनके उपदेशों से प्रभावित हो, जैनत्व के अनुगामी बनते थे। ऐसे कई तत्कालीन रियासतों, राज्यों, ठिकानों के नरेशों, सामंतों, जागीरदारों ने शराब नहीं पीने, शिकार नहीं करने तथा मांस सेवन नहीं करने के सौगंध किए। ऐसा ही प्रभाव आदिवासियों तथा अन्य जनजातियों ने ग्रहण किया। इससे मुनिश्री की लोकप्रियता का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है।

मेवाड़, मालवा, वागड़, कांठल आदि अंचलों के ऐसे कई गांव हैं जहां के जैन ही नहीं, जैनेत्तर लोग भी मुनिश्री के संपर्क में आए और बीड़ी, तम्बाकू नहीं पीने, झूठ नहीं बोलने, झूठी गवाही नहीं देने, अष्टमी, एकादशी तथा चतुर्दशी को लीलोती (हरी सब्जी) नहीं खाने, रात्रि में भोजन नहीं करने, महीने में एक बार उपवास रखने, शराब, मांस नहीं छूने, शिकार नहीं करने, चोरी नहीं करने आदि के सौगंध लिए जिनका आज भी उनके परिजन तक निर्वाह करते आ रहे हैं।

जैन दिवाकरजी की ख्याति से ही प्रभावित होकर संवत् 1996 में मेवाड़ के महाराणा फतहसिंह ने उदयपुर में अपने शंभु निवास में व्याख्यान हेतु मुनिश्री को आमंत्रित किया। धर्म-बोध देते मुनिश्री का महाराणा के साथ का वह चित्र इतना लोकप्रिय हुआ कि आज भी उनके भक्तों के घरों में पूज्य-भाव लिए देखने को मिलता है। यही नहीं, बाद में महाराजकुमार भूपालसिंह ने भी समोरबाग में महाराजश्री का व्याख्यान आयोजित किया।

यह जैन संतों का ही प्रभाव लगता है कि मेवाड़ में भील लोग भाद्र माह में जो 'गवरी' नाचते हैं, उसमें पूरे माह ही वे ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं। एक समय भोजन करते हैं। हरी सब्जी नहीं खाते हैं। पांवों में जूते नहीं पहनते और न स्नान आदि ही करते हैं। खाली जमीन पर सोते हैं। इनके अतिरिक्त और भी जातियां हैं जो जैन धर्म के नियमों और सिद्धांतों का अक्षरशः पालन करती आ रही हैं।

उदयपुर के खैरादीवाड़े में नब्बे वर्षीय बबलीबाई खैरादी ने मुझे बताया था कि देश की आजादी के पूर्व जब वह राजघराने से जुड़ी हुई थी, तब विशिष्ट त्यौहारों एवं उत्सवों पर लकड़ी की बनी अन्य चीजों के साथ-साथ ऐसे गुलदस्ते बनाकर ले जाती थी जिन पर श्रीनाथजी, चारभुजाजी के चित्रों के अलावा जैन संत चौथमलजी महाराज के चित्र भी बने होते। ये चित्र चितेरों से बनवाये जाते। कलई के बने ये चित्र सोने-चांदी जैसी चमक देते। बबलीबाई जैसे और भी खैरादी परिवार मुनि चौथमलजी के संपर्क में आए जिन्होंने उनके उपदेशों का श्रवण किया और उनसे प्रभावित होकर फूलदानों पर उनके चित्र बनाने प्रारंभ किए। उदयपुर में बबलीबाई के घर भी जैन दिवाकरजी का पदार्पण हुआ।

मुनि चौथमलजी ने जैनधर्म के तत्व-सिद्धांतों को जन-जन में अधिक व्यापक बनाने हेतु अनेक स्तवन, भजन, स्तुतियां एवं पदों की रचना की, जिनकी संख्या एक हजार से अधिक है। इसी प्रकार विभिन्न महापुरुषों के आदर्श जीवन चरित्र को अधिकाधिक लोकोपयोगी बनाने के लिए साठ के करीब धर्म-चरित लिखे। लगभग दो दर्जन उनके प्रवचन संग्रह प्रकाशित हैं। अपने लेखन में उन्होंने लोक-भाषा, लोक-शैली और लोक-छंदों का प्रयोग करते हुए माच, ख्याल, काजलियो, धूंसो, जला, कांगसिया, मीरां थारे कई लागे गोपाल, रावण को समझावे राणी, देखो करके खयाल किया कैसा कमाल, मेरे काजी साहब आज सबक नहीं याद हुआ, तरकारी ले लो मालन आई बीकानेर की, बेटी साहूकार की थां पै चंवर ढुरे छै जी राज, मनवा समझ म्हारा वीर सांकड़ली सेरी में थने जाणो पेली तीर आदि विविध तर्जों में कई-एक चरित लिखे। इनकी देखादेखी मुनिश्री नाथूलालजी व रामलालजी जैसे शिष्यों ने भी लोकगीतों तथा ख्यालों की तर्जों पर विविध चरित लिखे जो सामाजिकों के चित्त चढ़े।

यह उल्लेखनीय है कि जैन दिवाकरजी ने अपने प्रभाव से जन-मानस पर जो प्रभाव छोड़ा वह चकित करनेवाला ही रहा। उनके जीवन की कई ऐसी चमत्कारिक घटनाएं सुनने को मिलती हैं जो उन्हें एक विशिष्ट दिव्य विभूति के रूप में, पराशक्ति के रूप में स्थापित करती है। अपने जीवनकाल में उन्होंने अनेक लोगों को जीवनदान दिया। अनेक लोगों को समृद्धि दी। अनेक लोगों को भय मुक्त, पाप मुक्त, सजा मुक्त तथा अपराध मुक्त किया। उन्होंने किसी संघ संप्रदाय की स्थापना नहीं की और न ही वे किसी संप्रदाय विशेष के आचार्य ही बने किंतु आज भी उनके नाम का संप्रदाय चलता है। साधु-साध्वी हैं और अनेक गांवों में अनेक लोग जैन दिवाकरजी या फिर चौथमलजी महाराज के संप्रदाय से जुड़े हुए हैं। मेवाड़ क्षेत्र में उनके भक्तों में ऐसे अनेक चमत्कारिक विस्मय भरे किस्से सुनने को मिलते हैं जो जैन दिवाकरजी को दिव्य शक्ति भगवन्त के रूप में स्वीकार्य कर नमन करते हैं।

जैन दिवाकरजी ने 40 से अधिक प्रतिभावान शिष्य तैयार किए। उनमें चंदन मुनि, अशोक मुनि, मूल मुनि, विमल मुनि आदि का नाम उल्लेखनीय है। मूल मुनि की प्रेरणा से कानोड़ के विपिन जारोली ने जैन दिवाकरजी के समग्र साहित्य को 'जैन दिवाकर ज्योतिपुंज' नाम से संपादित किया जो 15 खंडों में जैन दिवाकर साहित्य प्रकाशन समिति, चित्तौड़गढ़ से प्रकाशित हुआ।

इस समिति ने एक बड़े समारोह में विपिनजी का अभिनंदन कर उन्हें 'दिवाकर रत्न' की उपाधि प्रदान की। कोटा में जैन दिवाकरजी ने 74वें वर्ष में विक्रमी संवत् 2007, मार्ग शीर्ष शुक्ला नवमी, रविवार को अंतिम स्वांस ली। इसे क्या कहा जाय कि उनका जन्म, विवाह और दीक्षा का दिन भी रविवार ही रहा।

डॉ. महेन्द्र भानावत का महत्वपूर्ण साहित्य

डॉ. महेन्द्र भानावत की करीब 90 पुस्तकें प्रकाशित हैं। उनमें से बहुत अप्राप्य हैं। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबंधित अभिनंदन ग्रंथ 'लोक मनस्वी' प्रकाशन प्रक्रिया में है। उनकी लिखित कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकें इस प्रकार हैं-

पुस्तक का नाम	मूल्य
भारतीय लोकनाट्य	1500/
परंपरा का लोक	475/
आदिवासी लोक	350/-
जनजाति जीवन और संस्कृति	295/-
महाराष्ट्र के लोकनृत्य	200/-
आदिवासी जीवनधारा	395/-
जनजातियों के धार्मिक सरोकार	150/-
राजस्थान के लोकनृत्य	200/-
गुजरात के लोकनृत्य	200/-
राजस्थान के लोक देवी देवता-	150/-
भारतीय लोकमाध्यम	75/-
अजूबा भारत	200/-
पाबूजी की पड़	50/-
लोककलाओं का आजादीकरण	250/-
उदयपुर के आदिवासी	250/-
निर्भय मीरां	250/-
रंग रूड़ो राजस्थान	100/-
कुंवारे देश के आदिवासी	100/-
जन्हें मैं जानता हूं	100/-

शब्द रंजन के सहयोगार्थ

हमारे पास शब्द रंजन है आपके पास और भी बहुत कुछ कृपया सहयोग करें

संरक्षक	11000/
विशिष्ट सदस्य	5000/
आजीवन सदस्य	3000/
शब्दरंजन के सहयात्री	1000/
साहित्यिक चौपाल	500/
वार्षिक संस्थागत	300/
वार्षिक व्यक्तिगत	250/

शब्दरंजन में विज्ञापन सहयोग कर अपने इस पत्र को और अधिक रंगदार, रूपवान तथा समाज विकास का अग्रणी प्रतिनिधि पत्र बनायें।

(**Shabd Ranjan**, UCO BANK, Bhupalpura Branch, Udaipur, a/c no. 18450210000908, IFSC no. UCBA0001845, a/c type- Current a/c)

कृपया रचनाएं ई-मेल से भेजें तो सुविधानक शीघ्र प्राप्त होंगी। shabdranjanudr@gmail.com

जेवर के लिए सोजतिया ज्वेलर्स

उदयपुर। सोजतिया ज्वेलर्स पर धनतेरस और दीपावली पर सोने-चांदी की खरीददारी के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सोजतिया ज्वेलर्स के फाउण्डर रणजीतसिंह सोजतिया ने बताया कि धनतेरस और दीपावली पर सोने-चांदी के आभूषणों की विशेष मांग रही। सोने, चांदी के सिक्के, बर्तन के साथ डायमण्ड, एन्टीक, पोलकी, कुन्दन की भी ग्राहकों ने जमकर खरीददारी की।

डॉ. महेन्द्र सोजतिया ने बताया कि सोजतिया ज्वेलर्स पर प्रत्येक पांच हजार की खरीद पर एक रेफर कूपन दिया जिसमें प्रथम पुरस्कार कार तथा पचास सात्वंना पुरस्कार दिये जायेंगे। रीना सोजतिया ने कहा कि सोजतिया ज्वेलर्स पर रिजेनेबल मेंकिग चार्ज पर 91.6 हॉलमार्क गोल्ड ज्वेलरी, डायमण्ड पोलकी ज्वेलरी, डायमण्ड ज्वेलरी आईजीआई सर्टिफिकेट के साथ, शुद्ध चांदी के सिक्के, बर्तन तथा मूर्तिया उपलब्ध है।

ध्रुव सोजतिया ने बताया कि दीपावली पर रजवाड़ी कलेक्शन लॉन्च किया गया। रजवाड़ी, आभूषण में गुलबंद, आंड, चांदी बाती, झुमके, पद्दैली, बाजूबंद, नेकलेस, चेकर सेट की विविध वैरायटियां लोगों की विशेष पसंद बनी।

स्नेह-दीप

बाहर तो उजियाला ही है
किन्तु मितिर भीतर गहराया।
जलता रहे स्नेह का दीपक
सरस्वती लक्ष्मी की माया।।

\-------------

छोटा सा दीपक लड़ता है
लाख अंधेरे हमें सताएं।
विपदाएं जीवनभर आतीं
प्रेम बढ़ाएं हंसे हंसायें।।

\------------

आपकी ही स्नेह-बाती
और उजियारा हमारा।
नाव सा खेता रहे
संबल बने सुख दे सहारा।।

छतलानी पीएच.डी.

जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय द्वारा चंद्रेशकुमार छतलानी को विभिन्न प्रकार के विश्वविद्यालयों हेतु बुद्धिमत्तापूर्ण सूचना प्राप्ति के लिए सिमेंटिक वेब दृष्टिकोण से वेब आधारित सूचना प्रणाली के निर्माण विषय पर कंप्यूटर विज्ञान संकाय में विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान की गयी। इन्होने अपना शोध कार्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत के मार्गदर्शन में पूर्ण किया।

शब्द रंजन

उदयपुर, मंगलवार 01 नवंबर 2016

सम्पादकीय

दीपावली अतल-पतल में भी

पूरे देश में दीपावली का ही एक ऐसा त्यौहार है जो सर्वत्र बड़े उल्लास से मनाया जाता है। ऐसा अन्य कोई त्यौहार नहीं जो पांच दिन तक विभिन्न रूपों में, विभिन्न प्रयोजनों के साथ सबका सहभागी बनता है। धरती पर विचरने वाले सभी जीव इसके साक्षी बनते हैं और चरजीवी ही नहीं, अचर यानी चराचर प्राणी भी इसके प्रभाव में देखे जाते हैं।

अदृश्य लोक की बात करें तो अतल-पतल अर्थात् आकाश-पाताल के वासीन्दे भी इस त्यौहार को बड़े मुदित भाव से मनाते हैं। लोकदेवता वीरवर कल्लाजी राठौड़ ने तो चित्तौड़ पर प्रति दीपावली को मनाये जाने वाले भूतों के मेले तथा बैकुंठ चतुर्दशी को दिव्य आत्माओं के मेले का भी साक्षी बनाया। दिव्य आत्माओं का आगमन ही प्रकाश-बिम्बों के रूप में दिखाई पड़ता है। चित्तौड़ के सभी महल-खंडहरों में उनकी चल-परछाई की उपस्थिति अलौकिक दर्शना ही बनी हुई है।

भूतों का मेला तो भूतों की गति-प्रकृति के अनुरूप ही सर्वथा असंयत और भयावह लगता है। उनके क्रियाकलाप भी वैसे ही होते हैं। यों धरती पर कुछ जगह दृश्य-दीपक हैं जो अखंड रूप में बिना तैल-बाती के प्रकाशवान हैं। ऐसा एक दीपक अम्बाजी के पास गब्बर नी गोख के बीच चढ़ाव पर सभी देख रहे हैं।

दीपावली के दिन साधारण से साधारण घर भी लक्ष्मी स्वरूपा दीपक की जोत से जगमगाता है। मिट्टी का दीपक सभी को शकुन देता है। जीवन का मिठास देता है। लक्ष्मी का वासा करता है। कई मिथकों से अटी दीवाली सबके घरों में खुशहाली भरे। दीप हमारे अन्तर को प्रकाशित करे। बाहर की ज्योतिमान करे। चौराहे का उल्लास बने और सर्वलोकों में उसका ज्योतिर्मय प्रकाश फूल-फूलझड़ी सा रंजन दे।

इस अवसर पर 'शब्द रंजन' से जुड़े उन सभी रचनाकारों, पाठकों, सहयोगियों, शुभेच्छुओं, सेवानुभावों तथा विज्ञापनदाताओं के प्रति हार्दिक कृतज्ञता, आभार तथा धन्यवाद ज्ञापित कर उनके यश-मंगल एवं समृद्ध स्वस्थ जीवन की कामना करते हैं।

बच्चों की दंत चिकित्सा का पहला हॉस्पिटल शुरू

उदयपुर। उदयपुर में बच्चों के दांतों संबंधी समग्र रोगों के निवारण के लिए चिकित्सालय का शुभारंभ प्रसिद्ध समाजसेवी नारायण छाबड़ा द्वारा किया गया। यह चिकित्सालय सर्व सुविधाओं से युक्त भूपालपुरा स्थित भण्डारी बाल चिकित्सालय के अंतर्गत कार्य करेगा। भंडारी बाल चिकित्सालय कई वर्षो से बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। उद्घाटन अवसर पर समाजसेवी रामचन्द्र छाबड़ा, डॉ. बी. भण्डारी, राजसिंह झाला, दीपक राठौड़, डॉ. रिंकी छाबड़ा, एवं डॉ. हरित भण्डारी सहित शहर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इस अवसर पर आयोजित प्रेसवार्ता में बच्चों के दांतों की स्पेशलिस्ट डॉ. रिंकी छाबड़ा ने बताया कि संभाग में इस तरह का यह पहला चिकित्सालय होगा जिसमें बच्चों के दांतों का एक्सरे, प्राथमिक इलाज, दांतों की सफाई, दांतों की सड़न का इलाज, अनुपयोगी दांत निकलवाना, टेड़े मेढ़े दांतों का इलाज करने के साथ ही दांतों के स्वास्थ्य सम्बंधी समग्र जानकारी सुलभ कराई जायेगी।

डॉ. छाबड़ा ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि बच्चों के दूध के दांत उनके मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं किन्तु अभिभावकों में उनके प्रति कोई सजगता नहीं देखी जाती।

डॉ. छाबड़ा ने बताया कि बच्चों को ध्यान में रखते हुए ही अलग तरीके से बनाये गये इस दंत चिकित्सालय में दंत सम्बंधी अधुनातन उपकरण के साथ-साथ सुविधायुक्त सज्जा एवं माकूल संसाधनों से युक्त यह चिकित्सालय होगा जहां बच्चे बाल सुलभ वातावरण पा सकेंगे और उन्हें मानसिक दृष्टि से अनुकूल सुविधाएं प्रदान की जायेगी। प्रेसवार्ता को डॉ. बी. भण्डारी एवं डॉ. हरित भण्डारी ने संबोधित किया।

पीआईएमएस का उत्कृष्ट प्रदर्शन

उदयपुर। आरएनटी मेडिकल कॉलेज के तत्वावधान में विभिन्न प्रकार की खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन

किया गया जिसमें पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसेज उमरडा (पीआईएमएस) की टीम ने प्रथम बार भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि पर चेयरमेन आशिष अग्रवाल एवं प्रिंसीपल डॉ. ए.पी. गुप्ता ने खिलाडियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

खेल प्रभारी राकेश पालीवाल ने बताया कि प्रतियोगिता के अंतिम दिन क्रिकेट का फाइनल मैच पीआईएमएस उमरडा और पीएमसीएच बेदला के बीच खेला गया जिसमें पीआईएमएस ने 10 रन से जीत हासिल की। इसके अलावा बॉस्केटबॉल में पीआईएमएस ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता के दौरान खेले गये एथलेटिक्स मुकाबलों में मैराथन में पीआईएमएस के शुभम नेहरा द्वितीय, 1500 मीटर रेस में पीआईएमएस के शुभम नेहरा प्रथम, 200 मीटर में पीआईएमएस के मुकेश बाचौलिया तृतीय, 400 मीटर रेस में पीआईएमएस के मनीष, विपुल, शुभम और मुकेश द्वितीय तथा रस्साकस्सी में पीआईएमएस ने द्वितीय स्थान हासिल किया।

इसी प्रकार महिला वर्ग 400 मीटर रेस में पीआईएमएस की ईशा, फहरिन, प्रियंका तथा अंजू प्रथम, 200 मीटर रेस में ईशा चौधरी द्वितीय, गोला फैं क में ईशा चौधरी प्रथम तथा डिम्पल द्वितीय रही।

चैम्पियन फेमिली सेलून का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में

उदयपुर। चैम्पियन फेमिली सेलून का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल किया गया है। सेलून के निदेशकत्रय दुर्गेश सेन, कमलेश सेन एवं

जमनेश सेन ने प्रेसवार्ता में बताया कि 17 दिसम्बर 2015 को सेलिब्रेशन मॉल में चैम्पियन किड्स सेलून पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

इसमें सेलून के 50 साथियों द्वारा 150 अनाथ व गरीब बच्चों का निशुल्क हेयर कट 80 मिनिट में पूरा किया गया। उसी को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज कर सेलून को राष्ट्रीय रिकॉर्ड का सर्टीफिकेट मिला। कार्यक्रम में इंडिया हेयर एण्ड ब्यूटी एसोसिएशन के जनरल सचिव अशोक पालीवाल, एचबीओ राजस्थान के राजेश 'दाढ़ी वाला', सेन क्षौर कलाकार मण्डल के संरक्षक श्यामलाल बाऊजी, सेलिब्रेशन मॉल के उच्च पदाधिकारी मनोज, सैफाली बजाज, आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. शोभालाल औदिच्य, पशु चिकित्सक डॉ. शक्ति सिंह और सेन क्षौर कलाकार मण्डल के सदस्य मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि चैम्पियल सेलून परिवार के कमलेश सेन ने वर्ष 2013 में आजादी के 66 वर्ष बाद ओएमसी एशिया हेयर कप में मेन्स हेयर स्टाइल में टीम ब्रॉज मेडल, ऑल इण्डिया हेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित हेयर कप में मेन्स हेयर स्टाइल में ब्रॉज मेडल प्राप्त किया था।

इसी के साथ चैम्पियन हेयर सेलून परिवार के ही अनिल सेन ने मलेशिया में आयोजित प्रतियोगिता में लेडिज हेयर स्टाइल में चौथा स्थान प्राप्त कर उदयपुर का नाम रोशन किया।

ऐप्टेक ने प्रिस्कूल सेगमेंट में रखा कदम

उदयपुर। वैश्विक शिक्षा एवं प्रशिक्षण कंपनी ऐप्टेक लि. ने प्रिस्कूल शिक्षा में प्रवेश की घोषणा की है। कंपनी ने मोन्टाना इंटरनेशनल प्रिस्कूल के साथ महत्वपूर्ण गठबंधन के माध्यम से इस क्षेत्र में कदम रखा है। मोन्टाना इंटरनेशनल प्रिस्कूल पावर्ड बाइ ऐप्टेक (एमआइपीए) के रूप में ब्रांडेड, इस गठबंधन का इरादा अगले दो वर्षों में भारत में 1000 प्रिस्कूल्स स्थापित करने का है।

ऐप्टेक लि. के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनुज काकर ने कहा कि भारत में प्रिस्कूल शिक्षा का बाजार 16000 करोड़ रूपये का है। 23 प्रतिशत की सीएजीआर की दर से शिक्षा के क्षेत्र में इसमें सबसे तेजी से विकास हो रहा है। बाजार का लगभग दो-तिहाई हिस्सा अभी भी असंगठित है जहां कोई मानकीकरण नहीं हैं। सुरक्षित परिवेश में बच्चे के समग्र शारीरिक एवं मानसिक विकास पर बहुत कम जोर दिया जाता है। माता-पिता में बच्चे की शुरूआती शिक्षा को लेकर बढ़ रही जागरुकता से इसमें जल्द ही बदलाव आयेगा।

मोन्टाना इंटरनेशनल प्रिस्कूल के सह-संस्थापक सुरेश माधवन ने कहा कि यूनिसेफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार द्वारा अर्ली चाइल्डहुड एजूकेशन (ईसीई) के महत्व को जानने के बावजूद, इसके क्रियान्वयन में चुनौतियां अभी भी बरकरार हैं। अभी भी ऐसे बच्चों की संख्या अधिक है जो प्रिस्कूल में दाखिला नहीं लेते। इस पहल के माध्यम से, हमारा उद्देश्य प्रिस्कूल के बारे में माता-पिता में जागरुकता को बढ़ाना है। हम उन्हें यह बताना चाहते हैं कि प्रिस्कूल भी बच्चे के मानसिक एवं व्यक्तित्व विकास में समान रूप से महत्वपूर्ण चरण है। मानसिक एवं शारीरिक क्षमताओं के विकास की दर अद्भुत है और जन्म से लेकर 6 साल तक की उम्र में सीखने की बहुत अधिक क्षमता होती है। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम बच्चों के समग्र बौद्धिक, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास के लिए शुरूआती उम्र में सकारात्मक शिक्षण अनुभव एवं परिवेश को बढ़ावा दें।

दीपावली व नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

दीपावली व नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

दीपावली व नूतन वर्ष
की हार्दिक शुभकामनाएं

आकाश वागरेचा

EVEREST GROUP OF COMPANIES SINCE 1963

एवरेस्ट ग्रुप ऑफ कम्पनीज़
- शुभलक्ष्मी बिल्डकॉन प्रा. लि.
- सावा सर्जिकल प्रा. लि.
- एवरेस्ट नेचुरल हर्बल प्रा. लि.
- एवरेस्ट इंटरनेशनल होटल एंड रेस्टोरेंट
- एवरेस्ट आशियाना बिजनेस प्रा. लि.

169- ओ रोड़, भूपालपुरा, उदयपुर (राज.)

पार्श्वकल्ला
PARSHVAKALLA

- PARSHVAKALLA PUBLIC RELATIONS
- PARSHVAKALLA PAPERS
- PARSHVAKALLA ADVERTISERS
- मुक्तक प्रकाशन
- सम्प्रति संस्थान
- शब्द रंजन (विचार एवं जनसंवाद का पाक्षिक)

प्रतिष्ठान : 'पार्श्वकल्ला' 13 14, म्यूनिसिपल शॉप, चेतना होटल के पास, चेटक सर्कल, उदयपुर 313004 (राज.) फोन : + 91 294 2429291, मो. 94141-65391
निवास : 352, श्रीकृष्णपुरा, सेंटपॉल स्कूल के पास, उदयपुर 313001, फोन : +91 294 2412174, मो. 8003377333, E-mail : drtuktakbhanawat@gmail.com

जन्म : 10 अक्टूबर 1946 निर्वाण : 4 सितम्बर 2014

प्रातःस्मरणीया पूजनीया

श्रीमती कमलाकुमारीजी पीतलिया
(टमाबाईजी)

स्मृतियां ही सुख देती हैं, स्मृतियां ही जीवन देती।
स्मृतियां ही प्रेरक प्रकाश बन, स्वप्निल सुखदा सुध लेती।।

- स्मरणकर्ता -

मदनलाल पीतलिया, विमलकुमार-माला च. विश्रुत तथा प्रेक्षा पीतलिया, महावीरकुमार-रुचि पीतलिया एवं समस्त लसानी परिवार उदयपुर, बैंगलोर अहमदाबाद, इंदौर तथा मैसूर।

प्रतिष्ठान

इण्डिया मशीनरी एण्ड ट्रेक्टर कंपनी
पीतलिया भवन, हाथीपोल बाहर, उदयपुर, फोन प्रतिष्ठान : (0294) 2524112 निवास - 2413406

HIGH-END LUXURY APPARTMENTS
ARCHI
Platinum
Proud to be here...
SUKHADIA CIRCLE
ARCHI
PARADISE
Luxury Living
100 FT. ROAD, SOBHAGPURA
NEW VIDHYA NAGAR, SECTOR - 3
ARCHI
PEACE PARK
feel the peace
OPP. CA BHAWAN, SECTOR 14
ARCHI
SOLITAIRE
Apartment with luxury
ARCHI GROUP OF BUILDERS
Ground Floor, Archi Arihant Building, 100 ft. Road towards DPS, Sobhagpura Circle, Udaipur - 313001
Ph.: +91-98290 22203, +91-97848 28555, Email: himanshu@archigroup.in • Web: archigroup.in

जिंक वित्तीय परिणाम घोषित

उदयपुर। हिन्दुस्तान जिंक लि. ने 30 सितम्बर 2016 को समाप्त छः माही व दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा की। वित्तीय वर्ष 2017 की दूसरी तिमाही में खनित धातु का उत्पादन पिछली तिमाही की तुलना में 51 प्रतिशत अधिक हुआ है। दूसरी तिमाही में उत्पादन में वृद्धि पिछली तिमाही की तुलना में रामपुरा आगुचा ओपन कास्ट में अयस्क में सकारात्मक उत्पादन के परिणामस्वरूप हुआ है।

हिन्दुस्तान जिंक के चेयरमैन अग्निवेश अग्रवाल ने कहा कि पिछली तिमाही की तुलना में लगातार धातु की कीमतों में 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सुदृढ़ एवं सकारात्मक प्रदर्शन रहा है। अनुकूल बाजार और कंपनी की भूमिगत खदान की प्रचालन क्षमता एवं लागत नियंत्रण पर रणनीति से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से भारत की श्रेष्ठ 25 क्लब में कंपनी का प्रवेश हुआ है। वित्तीय वर्ष की छ:माही में खनित धातु का उत्पादन 318,000 मैट्रीक टन हुआ। जो कंपनी की गतवर्ष की इसी समान अवधि में उत्पादन 472,000 मैट्रीक टन की योजना के अनुसार है। जबकि इस तिमाही में रामपुरा आगुचा खदान की भूमिगत खदान के विस्तार से उत्पादन 83 प्रतिशत अधिक हुआ है। एकीकृत रिफाइन्ड जस्ता धातु 149,000 मैट्रीक टन उत्पादन हुआ जो इसी वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में 47 प्रतिशत अधिक है। एकीकृत बिक्री योग्य सीसा धातु उत्पादन 31,000 मैट्रीक टन जो पिछली तिमाही की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है तथा चांदी धातु 107 मैट्रीक टन हुआ जो गतवर्ष की समान अवधि के तुलना में 21 प्रतिशत अधिक दर्शाता है। वर्ष 2017 की दूसरी तिमाही के दौरान कंपनी ने 3,820 करोड़ रु. का राजस्व अर्जित किया जो चालू वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2017 की दूसरी तिमाही में कंपनी ने 1,902 करोड़ रु. का शुद्ध लाभ अर्जित किया है जो चालू वर्ष की पहली तिमाही की समान अवधि की तुलना में 83 प्रतिशत अधिक है।

टाटा स्काई म्यूजिक+ लाँच

उदयपुर। डीटीएच उद्योग में सबसे तेजी से विकास करने वाली कंपनी टाटा स्काई ने संगीत की चार विधाओं के संगम वाला देश का सबसे पहला पे टीवी प्लेटफॉर्म लाँच किया है। 'म्यूजिक+' नामक इस प्लेटफॉर्म में डिजिटल मनोरंजन कंपनी हंगामा ने साझेदारी की है। चार वर्गों - महफिल, इंडी रूज, जाज एवं इंटरनेशनल में विभाजित इस सेवा को मशहूर गायक, गीतकार, संगीतकार तिकड़ी शंकर-एहसान-लॉय द्वारा लाँच किया गया।

टाटा स्काई की मुख्य वाणिज्य अधिकारी, पल्लवी पुरी ने कहा कि 'म्यूजिक+' से टाटा स्काई के ग्राहकों को संगीत (शास्त्रीय से लेकर नवीनतम) का विशिष्ट खजाना उपलब्ध होगा, जिसमें विदेशी पॉप, देशी, रॉक तथा इंडी म्यूजिक से लेकर जाज एवं ब्लूज, सूफी, लोकसंगीत, नज्म और गजल तक के संपूर्ण क्षेत्रों के म्यूजिक वीडियो, संगीत समारोह और कलाकारों के साक्षात्कार शामिल हैं।

टाटा स्काई म्यूजिक+ के ग्राहकों को इस सेवा के तहत घर बैठे कुछ सबसे बड़े संगीत समारोहों और देश के त्यौहारों को देखने की भी सुविधा हासिल होगी। हंगामाडॉटकॉम के सीईओ, सिद्धार्थ रॉय ने कहा कि 'म्यूजिक+' के लिए टाटा स्काई के साथ साझेदारी करके हमें बेहद खुशी है। म्यूजिक+ के माध्यम से विविधतापूर्ण कंटेंट और पंकज उधास, जगजीत सिंह, एल्विस, अब्बा, माइल्स डेविस, एरिक क्लैप्टन, सलीम-सुलेमान, अरमान मलिक और अनेक दूसरे महान कलाकारों के संगीत उपलब्ध होंगे।

हमें पक्का यकीन है कि श्रोताओं के लिए म्यूजिक+ एक खास अनुभव होगा। टाटा स्काई म्यूजिक+ चैनल संख्या 817 पर उपलब्ध होगा। टाटा स्काई के ग्राहकों को पहले पाँच दिनों तक कोई शुल्क नहीं देना होगा। उसके बाद इसका शुल्क महज 3 रुपये प्रति दिन होगा।

शिविर में 61 यूनिट रक्तदान

उदयपुर। तेरापंथ युवक परिषद् एवं विजय जैन युवक परिषद् के संयुक्त तत्वाधान में मुनि धर्मेश कुमार के सानिध्य व साध्वी कीर्तिलता की विशेष प्रेरणा से महाप्रज्ञ विहार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

तेयुप अध्यक्ष राकेश नाहर ने बताया कि शिविर में कुल 61 यूनिट रक्त संग्रहण किया गया। इस दौरान तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सूर्यप्रकाश मेहता, एवं तेयुप अध्यक्ष राकेश नाहर ने सपत्नीक रक्तदान किया। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् भारत की एकमात्र संस्था है जिसने एक दिन में एक लाख से अधिक रक्त यूनिट का संग्रहण कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया। इस वर्ष 365 दिन रक्तदान शिविर विभिन्न शहरों में लगाये जा रहे हैं। नाहर ने कहा कि भविष्य में भी दोनों संगठन समाजसेवा के कार्यों में परस्पर सहयोग करेंगे। तेयुप उपाध्यक्ष विकास बोथरा ने बताया कि मुनि विनोद कुमार के मंगल पाठ से शुरू हुए इस रक्तदान शिविर में

विजय जैन युवक परिषद् के अध्यक्ष अजीत गलुण्डिया ने बताया कि शिविर में मंत्री विजय सेठिया, उपाध्यक्ष नरेंद्र हिंगड़, संगठन मंत्री अशोक लोढ़ा, कोषाध्यक्ष संजय तलेसरा, गजेंद्र सामर, राजेंद्र जैन, राजेश मेहता, तेरापंथ युवक परिषद् के परामर्शक सुरेंद्र कोठारी, लोकेश कोठारी, पूर्व अध्यक्ष विनोद मांडोत, उपाध्यक्ष अरुण मांडोत, मंत्री राजकुमार कच्छारा, सहमंत्री विनोद मांडोत द्वितीय, पीयूष जारोली, कोषाध्यक्ष विनोद चंडालिया, संगठन मंत्री प्रणव कोठारी, अजीत छाजेड़, करण बैद, राजीव सुराणा, अरुण मेहता सहित दोनों संगठनों के कई युवा कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

चंद्रप्रकाश चित्तौड़ा द्वारा निर्मित चावलों से बना दीपक

बालिका के पेट से निकाला बालों का गुच्छा

उदयपुर। पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईन्सेज (पीआईएमएस),हॉस्पिटल उमरडा में चिकित्सकों ने 14 वर्षीय बालिका का सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर पेट से बालों का गुच्छा निकाला है। पीआईएमएस के वाइस चैयरमैन आशीष अग्रवाल ने बताया कि किशनपोल उदयपुर निवासी 14 वर्षीय बालिका काफी समय से पेट दर्द से पीडित थी और उसके परिजन कई अस्पतालों में इलाज के लिए ले गये थे लेकिन बालिका ठीक नहीं हुई। गत दिनों परिजनों ने बालिका को पीआईएमएस में भर्ती कराया। जांचों में पता चला कि बालिका के पेट में बालों का बड़ा गुच्छा है। इस पर शिशु शल्य चिकित्सक डॉ. प्रवीण झंवर ने ऑपरेशन कर अमाशय में से पौन किलो का बालों का गुच्छा एवं तीन मीटर लंबा लोहे का तार सफलतापूर्वक निकाला। बच्ची अभी पूर्णतः स्वस्थ है।

'इंडिया का त्योहार, डील्स का बाजार' अभियान

उदयपुर। डिजिवर्ल्ड ने 'इंडिया का त्योहार, डील्स का बाजार' अभियान पेश किया है। इस अभियान का लक्ष्य ग्राहकों को एलईडी टीवी सेगमेंट पर सबसे बड़ी बचत प्रदान करके खुशी बढ़ाना एवं त्यौहार जगमग बनाना है। इन त्यौहारों पर नजदीकी डिजिवर्ल्ड आउटलेट से मात्र 3599 रु. की आसान मासिक किश्तों में 109 सेमी. का 4के एलईडी टीवी मिलेगा।

टेक्नोकार्ट इंडिया लि. के सीईओ संजय कर्वा ने कहा कि इस समय लोग अपने घरों की साफ सफाई करके उन्हें सजाते हैं। डिजिवर्ल्ड का यह ऑफर इस खूबसूरत बदलाव के लिए बहुत लोकप्रिय विकल्प साबित होगा। हमेशा की तरह डिजिवर्ल्ड ग्राहकों को त्योहारों की शॉपिंग का सर्वाधिक फायदा पहुंचाना चाहता है। हमारे अभियान 'इंडिया का त्योहार, डील्स का बाजार' के द्वारा हम अपने उपभोक्ताओं को सर्वश्रेष्ठ डील्स प्रदान करना चाहते हैं। हमारा मानना है कि यह ऑफर हमारे ग्राहकों की जेब पर भारी पड़े बिना उन्हें लेटेस्ट 4के यूएचडी टेक्नॉलॉजी में टेलीविजन देखने का शानदार अनुभव प्रदान करेगा। त्योहारों की खुशी यहीं खत्म नहीं होती है, आसान भुगतान विकल्पों के साथ यह ऑफर हर ग्राहक को मुफ्त उपहार भी प्रदान करेगा, जिनमें 3990 रु. मूल्य का अमेरिकानो 360 डिग्री स्पिन व्हील ट्रॉली बैग एवं डी2एच कनेक्शन के साथ एलईडी पर पांच सालों की वारंटी शामिल है। यहां पर सैमसंग, वीडियोकॉन, सैन्सुई, फिलिप्स, गोदरेज, व्हर्लपूल, आईएफबी एवं हुन्डई जैसे ब्रांडों के उत्पादों की व्यापक श्रृंखला मिलेगी साथ ही यह स्टोर हर उत्पाद पर आकर्षक ईएमआई भी प्रदान करेगा।

'लक्स गोल्डन रोज़ अवार्ड्स' का उद्घाटन सत्र 12 नवम्बर को

उदयपुर। एचयूएलएस पर्सनल केयर प्रॉडक्ट एवं भारत का प्रमुख ब्यूटी सोप, लक्स, के अवार्ड शो 'लक्स गोल्डन रोज़ अवार्ड्स' का उद्घाटन सत्र 12 नवम्बर को आयोजित किया जाएगा। इसमें बॉलीवुड की अभिनेत्रियों को उनकी बहुमुखी प्रतिभा के लिए सम्मानित किया जाएगा। एक ब्राण्ड के रूप में, लक्स एक दशक से फिल्मी सितारों के सौंदर्य के राज़ की विरासत को संभाले हुए है। इन अवार्ड्स के साथ यह ब्राण्ड लक्स के सभी प्रशंसकों के लिए बॉलीवुड के बड़े सितारों के बीच एक शाम बिताने का एक विशेष अवसर प्रदान करता है। कुछ भाग्यशाली विजेता गोल्डन कारपेट पर कदमताल करने का अवसर प्राप्त कर बॉलीवुड के सबसे बडे सितारों की कम्पनी में लक्स गोल्डन रोज़ अवार्ड का गवाह बनते हैं। गोल्डन टिकट जीतने पर भाग्यशाली विजेताओं को सितारों के शहर मुम्बई के लिए भेजा जाएगा, जहां वे ग्लैमरस गोल्डन कारपेट पर चलन से पहले टॉप हेयर और मेकअप एक्सपर्ट की मदद से एक स्टार के रूप में एक शाम बिताएंगे। यह सब लक्स के पैक की खरीदी के द्वारा संभव है।

क्या आप

कम्यूनिकेशन टुडे

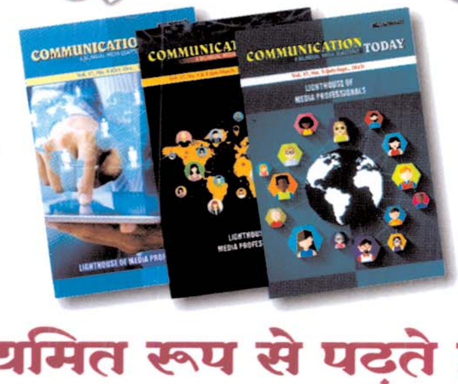

नियमित रूप से पढ़ते हैं?

यदि नहीं, तो आज ही

संचार-माध्यम, जनसम्पर्क और विज्ञापन कला

को समर्पित

इस त्रैमासिक अनुष्ठान से जुड़िए

परामर्श सम्पादक डॉ. मनोहर प्रभाकर

सम्पादक प्रो. संजीव भानावत

Yearly Subscription : ₹400/- (Individual) ₹700/- (Institutional)

Life Membership : ₹4000/- (Individual) ₹7000/- (Institutional)

सम्पर्क सूत्र :

सी-235/ए, दयानन्द मार्ग, तिलक नगर, जयपुर - 302 004

फोन : 2620944, 2622862, मो. : 094140 73466

E-mail : bhanawat.sanjeev@gmail.com

दिपावली की हार्दिक शुभकामनाऐं
SAI TIRUPATI UNIVERSITY
(Established by the Rajasthan State Legislative Assembly and as per Sec. 2(F) of UGC Act 1956)
SAI TIRUPATI UNIVERSITY UDAIPUR
डॉ. प्रवीण झंवर
एम.एस. (जनरल सर्जरी)
एम.सी.एच. (पिडियाट्रिक सर्जरी)
कन्सलटेन्ट-पिडियाट्रिक सर्जन
पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
डॉ. सुभाष झाकड़
एम.एस. (जनरल सर्जरी)
एम.सी.एच. (न्युरो सर्जन)
कन्सलटेन्ट-न्यूरो सर्जन
पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
डॉ. विकास गुप्ता
एम.एस. (सर्जरी)
डी.एन.बी. (यूरोलॉजी)
कंसलटेन्ट-यूरोलॉजिस्ट
पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
डॉ. एम.पी. अग्रवाल
एम.एस. (जनरल सर्जरी)
एम.सी.एच. (प्लास्टिक, बर्न एण्ड कॉसमेटिक सर्जरी)
कन्सलटेन्ट-प्लास्टिक, बर्न एण्ड कॉसमेटिक सर्जन
पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
डॉ. विक्रम सिंह राठौड़
एम.एस. (ईएनटी)
कन्सलटेन्ट-ईएनटी सर्जन
पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
PIMS पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना
लाभार्थियों को अन्तरंग ईलाज हेतु कैशलेस सुविधा
लाभार्थियों को अन्तरंग ईलाज हेतु कैशलेस सुविधा
प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष चिन्हित सामान्य बीमारियों हेतु रु. 30 हजार और चिन्हित गंभीर बीमारियों हेतु 3 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर
भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत 3 लाख तक का निःशुल्क उपचार
लाभार्थी का चयन राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के अंतर्गत चयनित लाभार्थी (अर्थात 2रू. प्रतिकिलो गेंहु लेने वाले)
ICU • ICCU • PICU • NICU • SICU • BURN ICU
24/7 EMERGENCY SERVICE
आपातकालीन सुविधाएँ उपलब्ध
कैशलेस सुविधा
तुरन्त भर्ती एवं जॉच
तुरन्त उपचार
निःशुल्क दवाईयाँ
CT-SCAN & MRI UNIT
जांच सुविधाएं
सीटी कोरोनरी एन्जीयोग्राफी
सेरिब्रल एन्जीयोग्राफी
रीनल एन्जीयोग्राफी
पेरीफेरल एन्जीयोग्राफी
सीटी गाइडेड बायोप्सी/एफएनएसी
सीटी एन्ट्रोक्लेयोसीस
3D रीकन्सट्रक्शन
वर्चुअल ब्रोन्सकोपी/एन्डोस्कोपी
एच.आर. सीटी
एम.आर. एन्जीयोग्राफी
एम.आर. वेनोग्राफी
एम.आर. सी.पी.
एम.आर.यू.
एम.आर. स्पेक्ट्रोस्कोपी
एम.आर.आई. होल बोडी
128 SLICE CARDIAC CT SCANNER
1.5 TESLA WHOLE BODY MRI
शुरूआती जाँच कीमत* CT SCAN ₹ 1250
शुरूआती जाँच कीमत* M.R.I. ₹ 2500
CT Coronary Angiography ₹ 5000
उपलब्ध सुविधाएं
जनरल मेडिसिन
गायनेकोलोजी एण्ड ऑबस्टेट्रिक्स
डरमेटोलोजी
साईकेट्री
पिडियेट्रिक्स
डेन्टेस्ट्री
जनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
ऑप्थेलमोलॉजी
इमरजेन्सी एण्ड क्रिटिकल केयर
यूरोलोजी
ई.एन.टी.
रेडियोलोजी
आर्थोपेडिक्स
चेस्ट एण्ड टीबी
लेबोरेट्री
सेवाओं में विस्तार के साथ निम्न इंश्योरेन्स कम्पनियों हेतु टी.पी.ए. विपुल मेड कोर्प द्वारा अधिकृत संस्थान
IFFCO-TOKIO GENERAL INSURANCE
Apollo Munich
bharti AXA general insurance
RELIANCE General Insurance
HDFC ERGO
Max Bupa
ICICI Lombard
अम्बुआ रोड, ग्राम-उमरड़ा, तहसीलः गीर्वा, उदयपुर (राज.) +91-294-2980077, +91-9587890122, +91-8696440666

दीपावली व नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

सोजतिया ज्वेलर्स

भट्ट जी की बाड़ी, उदयपुर
0294-2410331,9214356031

we are offering
- 25% discount on making charges (Gold, Diamond & Diamond Polki).

+

- सोजतिया ज्वेलर्स पर ग्राहकों द्वारा प्रत्येक ₹5000 की खरीद पर पाएं एक रैफल कूपन, सोजतिया ज्वेलर्स ग्राहकों के लिए draw खोलेगा ; जिसमें First Prize कार होगी तथा साथ ही 50 अन्य ईनाम।

+

- प्रत्येक खरीद पर पाएं एक निश्चित उपहार।

धनतेरस स्पेशल
शुद्ध-चाँदी के सिक्के, बर्तन
शुद्ध सोने के सिक्के

❖ लेटेस्ट 916 हॉलमार्क गोल्ड ज्वेलरी,
❖ रिज़नेबल मेकिंग चार्ज ❖ डायमण्ड पोलकी ज्वेलरी
❖ शुद्ध चाँदी के सिक्के, बर्तन, पायल, मूर्तियाँ आदि
❖ डायमण्ड ज्वेलरी IGI सर्टिफिकेट के साथ

एक साल में कार जितने का तीसरी बार मौका

❖ सोजतिया क्लासेज ❖ सोजतिया कॉम्पिटिशन क्लासेज ❖ सोजतिया इन्फोटेक - दुर्गा नर्सरी रोड, उदयपुर

जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड) विश्वविद्यालय

प्रतापनगर, उदयपुर-313001 (राजस्थान) फोन : 0294-2492441, फैक्स 0294-2492440
Web. : www.jrnrvu.edu.in

दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

प्रो. सी.पी. अग्रवाल रजिस्ट्रार	भंवरलाल गुर्जर कुल प्रमुख	प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत वाइस चांसलर	श्री एच.सी. पारख चांसलर	डॉ. देवेन्द्र जौहर कुल अध्यक्ष

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड) विश्वविद्यालय एवं कुल परिवार

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक डॉ. तुक्तक भानावत द्वारा 352, कृष्णपुरा, सेंटपॉल स्कूल के पास, उदयपुर (राज.) से प्रकाशित एवं मुद्रक लोकेश कुमार आचार्य द्वारा मैसर्स पुकार प्रिंटिंग प्रेस 311-ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, उदयपुर (राज.) से मुद्रित। सम्पादक : रंजना भानावत। फोन : 0294-2429291, मोबाइल - 9414165391, टाईटल रजि. RAJHIN17670, Email : shabdranjanudr@gmail.com, सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।